MA (Economics) SEM - III CC-10

Population Growth (जनसंख्या वृद्धि)

किसी भी देश की तेजी से बढ़ती हुई लोगों की संख्या को जनसंख्या वृद्धि कहते है अर्थात आबादी मे तीव्र गति से वृद्धि को जनसंख्या विस्फोट (Population explosion) कहते है। और देश की तेजी से बढ़ती हुई जनसंख्या उस देश के विकास को भी प्रभावित करती है।

जनसंख्या वृद्धि के कारण :-

1. निरक्षरता :- निरक्षर लोग छोटे परिवार के महत्व को नही जानते है इस कारण से अज्ञानतावश निरन्तर सन्तानोत्पत्ति होती रहती है। इससे जनसंख्या वृद्धि होती रहती है।

2. कम आयु मे विवाह :- ग्रामीण तथा अशिक्षित परिवारो मे आज भी बाल - विवाह की प्रथा प्रचलित है। कानूनी प्रतिबन्धो के बावजूद कम आयु मे ही अनेक विवाह सम्पन्न हो जाते है, जिनके कारण कम आयु मे ही ये दम्पति सन्ताने उत्पन्न करने लगते है।

3. सामाजिक रीति - परिवार मे पुत्र का जन्म भी आवश्यक माना जाता है मानते है कि वंश का नाम पुत्र से ही चलता है। पितृऋण भी तभी उतरता है, जब पुत्र उत्पन्न हो जाए, अतः पुत्र प्राप्ति की कामना को लेकर लोग अनचाहे ही सन्ताने पैदा करते रहते है।

4. मृत्यु-दर मे निरन्तर कमी - आधुनिक चिकित्सा सुविधा के फलस्वरूप मृत्यु-दर मे कमी आयी है।

5. निम्न सामाजिक स्तर :- हमारे देश की जनता का रहन-सहन निम्नस्तर का निर्धन है। वह इस बात मे विश्वास करती है कि जितने अधिक बच्चे होंगे, वे काम करके अधिक धनोपार्जन करेंगे।

जनसंख्या वृद्धि से हानियाँ :-

(i) खाद्य सामग्री की समस्या :- देश की जनसंख्या मे लगातार तीव्र गति से वृद्धि होने के कारण खाद्य सामग्री का अभाव हो जाती है।

(ii) शिक्षा की समस्या :- जनसंख्या मे तीव्र वृद्धि के कारण विद्यालयो मे काफी बच्चे प्रत्येक वर्ष प्रवेश से वंचित रह जाते है। इससे बच्चो का शारीरिक तथा मानसिक विकास ठीक से नही हो पाता है।

(iii) रोजगार की समस्या :- बढ़ी हुई जनसंख्या के साथ रोजगार के साधन उसी गति से नही बढ़ पाते है इसके कारण बेरोजगारी तेजी से बढ़ी है।

(iv) जनसंख्या वृद्धि से आवास की समस्या :- जनसंख्या वृद्धि के कारण अधिकांश लोग गंदे तथा प्रकाशहीन घरो और झोपड़ियो मे रहने के लिए बाध्य हो जाते है।

(v) चिकित्सा व्यवस्था की समस्या :- जनसंख्या मे तीव्र वृद्धि के कारण अस्पतालो मे अधिक भीड रहती है जिससे रोगियो की देखभाल ठीक प्रकार से नही हो पाती है।

(vi) प्रदूषण :- जनसंख्या मे तीव्र वृद्धि के कारण जल, वायु, मृदा प्रदूषण बढ रहा है।

(vii) संक्रामक रोग :- जनसंख्या मे तीव्र वृद्धि के कारण संक्रामक रोग बढ रहे है।

(viii) कृषि भूमि का बंटवारा :- जनसंख्या मे तीव्र वृद्धि के कारण परिवार की कृषि का बंटवारा होता है जिससे कृषि भूमि छोटे छोटे टुकडो मे बंट जाती है ऐसा होने से परिवार की आर्थिक स्थिति खराब हो जाती है।

जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण
(control of population Growth)

1. कानून व्यवस्था :- भारतवर्ष मे जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए संविधान मे कोई कठोर कानूनी व्यवस्था होनी चाहिए। सरकार ने विवाह योग्य लडकी की आयु 18 वर्ष तथा लडके की आयु 21 वर्ष निर्धारित की है लेकिन इस कानून का भी कठोरता से पालन नही हो पा रहा है।

2. उचित शिक्षा का प्रबन्ध :- जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए उचित शिक्षा व्यवस्था अति आवश्यक है। शिक्षा के माध्यम से ही परिवार को सीमित रखने की प्रेरणा दी जा सकती है। शिक्षित व्यक्ति अंधविश्वास व रूढीवादिता से बाहर निकल आता है।